1857 : STRUGGLE FOR INDEPENDENCE

EFFECTS

1857 ई० का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम यद्यपि असफल समाप्त हो गया, किंतु इसके व्यापक प्रभाव हुए। ईस्ट इंडिया कंपनी के भारत में कुशासन की ओर अंग्रेजों की सरकार का ध्यान, इस क्रांति ने आकर्षित किया। तथा ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के स्थान पर भारत को सीधे ताज के अधीन कर दिया गया। अंग्रेजों ने यह भी समझ लिया कि भारतीय रियासतों के हड़पने व इनसे संबंध खराब करने की नीति को परिवर्तित करना आवश्यक है। इसी कारण महारानी विक्टोरिया ने अपनी घोषणा में स्पष्ट कर दिया कि रियासतों का अंग्रेजी साम्राज्य में विलय नहीं किया जाएगा। इस प्रकार रियासतों का समर्थन प्राप्त करने में अंग्रेजों ने सफलता प्राप्त की। अंग्रेजों ने सेना में अंग्रेजों की संख्या बढ़ा दी और तोपखाने को भी अंग्रेजों ने अपने हाथ में रखा। अंग्रेजों ने भारतीयों के मूल विचारों को परिवर्तित करने के लिए अंग्रेजी शिक्षा का एवं पाश्चात्य दर्शन का अधिक प्रचार एवं प्रसार करने का निर्णय लिया। R. C. Majumdar के शब्दों में "1857 का महान विस्फोट भारतीय शासन के स्वरूप और देश के भावी विकास में मौलिक परिवर्तन लाया तथा सरकार एवं जनता में गहरी दरार पड़ गई।" 1857 ई० का स्वाधीनता संग्राम असफल होने पर भी इसने भारत को व्यापक रूप से प्रभावित किया एवं भारतीयों में राष्ट्रवादी भावनाएं प्रबल हुईं।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept. of History
S.B. College, Ara

III, History of India 1765-1950